

श्रीलंका की टीम पहुंची सेक्सरिया शूगर मिल

5/6/12 दीनिक पत्र
सबादादाला। विसवां, सीतापुर

श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री के साथ पांच सदस्यीय टीम का दौरा

श्रीलंका में गन्ने की खेती के सुधार, चीनी मिलों को नियोजित ढंग से संचालन बनाने से भारत को ही तरह शूगर की रिकवरी तथा दोनों देशों में कृषि के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री डॉ. रेगीनाल्ड कुर्रे के नेतृत्व में 5 सदस्यी टीम ने उत्तर प्रदेश से सीतापुर जिले की विसवां कस्बे में स्थित सेक्सरिया शूगर मिल तथा तहसील क्षेत्र टिकरा एवं खमरिया गांवों का दौरा किया।

सोमवार को श्रीलंकाई मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे के साथ एड्रीशनल सेक्रेट्री एम.एम.ई.सी.पी., श्रीलंका शूगर केन रिसर्व इंस्टीट्यूट के चेयरमैन एस.के. सिराल, शूगर केन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर/सीईओ डॉ. एनसी कुमार सिंघ, अक्सिस्टेंट सेक्रेट्री एमएमईसीपी वीएन कुलेषीलेक के अलावा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के डायरेक्टर एस सोलामन, वरिष्ठ वैज्ञानिक ए.के. शाह तथा डॉ. एस.एन. सुशील उपस्थित हैं। इस दल में सबसे पहले टिकरा एवं खमरिया स्थित गन्ना फार्मों को देखा तथा किसानों से भी बातचीत की। उन्होंने भारतीय गन्ना अनुसंधान लखनऊ द्वारा विकसित कोलक 941814 गन्ने की प्रजाति एवं अन्य तकनीकों का खेतों में उसके उत्पादन का आंकलन किया तथा भारत में गन्ने की खेती के प्रति लोगों में रुझान को साराहना की। तत्पश्चात सेक्सरिया शूगर मिल पहुंचकर चीनी मिल के अधिकारियों केन प्रबन्धकों से विस्तृत चर्चा की। विदेशी दल ने गन्ने को फसल का उत्पादन



श्रीलंका के मंत्रों के साथ पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल और शूगर मिल का प्रबंधक

पार्थिवर

बढ़ाने, किस प्रजाति में कितनी रिकवरी होती है, क्षेत्रफल कैसे मैनेज किया जाता है, कौन-कौन सी प्रजाति उगाई जाए इत्यादि के बारे में भी बातचीत की। इस मौके पर श्रीलंकाई दल ने श्रीलंका में गन्ने की खेती के विषय में भी बातलाया और भविष्य में गन्ने की खेती एवं शूगर मिलों को लेकर आपसी सहयोग एवं सामन्वय बनाने रखने के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावना व्यक्त की।

इस मौके पर श्रीलंकाई दल को गन्ने की खेती के विभिन्न पहलुओं को प्रोजेक्टर फिल्म द्वारा भी दर्शाया गया। सेक्सरिया शूगर मिल में आयोजित श्रीलंकाई दल के साथ बैठक में शूगर मिल के अधिकारी अधिकारी आर.सी.

सिंघल, उपजिलाधिकारी मृत्युञ्जयराम, वरिष्ठ केन मैनेजर डॉ. अनूप सिंह, परसनल मैनेजर अतुल श्रीवास्तव, केन मैनेजर रामवीर सिंह, आशीष अवस्थी, सीडीओ विमल मिश्रा के अतिरिक्त भारी सुरक्षा बल तैनात था।

फील्ड विजिट योजना के तहत टीम ने किया दौरा: रेगीनाल्ड कुर्रे

श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे ने पत्रकारों से बताया कि श्रीलंका में मात्र 6 चीनी मिलें हैं जिसका सरकार द्वारा गन्ने की खेती के लिए कृषियोग्य भूमि लीज पर देवाओं, खाद एवं विभिन्न प्रजातियों के बीच

इत्यादि उपलब्ध कराए जाते हैं इसके बावजूद किसानों का गन्ने की खेती में रुझान कम है जिससे उसका उत्पादन भी कम होता है। श्रीलंका में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने, चीनी मिलों को क्षमता बढ़ाने, गन्ने की खेती नयी तकनीकों द्वारा कराने के लिए भारत के उ.प्र. के गन्ना उत्पादन का अध्ययन करने, सरकारों नीतियों तथा प्रबन्धन की बारीकी जानने गन्नी।

यहां की जानकारी से हम लोग काफी प्रभावित हैं इसको लेकर यहां के अधिकारियों के एक दल को हम लोग श्रीलंका अर्नाइज कर रहे हैं ताकि श्रीलंका भी गन्ने की खेती में प्रगति कर सके। श्रीलंका में खातक तक के शिक्षा मुफ्त दी जाती है।

5 जून, 2012

दैनिक जागरण

श्रीलंका में चीनी उद्योग का निमंत्रण



श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते मिल अधिकारी जागरण

संवादसूत्र, बिसवां (सीतापुर): श्रीलंका का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार की शाम गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के मार्ग दर्शन में सेक्सरिया चीनी मिल बिसवां पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने चीनी मिल का निरीक्षण किया और गांवों का दौरा कर गन्ना फसल देखी। मिल की अच्छी रिकवरी व बेहतर तकनीक के प्रयोग से खुश होकर श्रीलंका में चीनी उद्योग स्थापित करने का निमंत्रण भी दिया।

श्रीलंका से आए प्रतिनिधिमंडल में लघु निर्यात एवं क्राप्स प्रमोशन के रेगिनाल्ड कुरे, अतिरिक्त सचिव सीएम हेराथ, अध्यक्ष एके सीरिल, शुगर अनुसंधान के डॉ. एन सी कुमार सिंघे, डीएन कुलेथिलेक शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ के निदेशक डॉ. एस सोलोमन, वैज्ञानिक डॉ. एके शाह, डॉ. एस. एन. सुशील के नेतृत्व में सेक्सरिया चीनी मिल पहुंचे। चीनी मिल अधिकारियों के साथ बैठक में

श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने सेक्सरिया चीनी मिल का निरीक्षण किया

विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने टिकरा व खमरिया स्थित गन्ना फार्म का अवलोकन किया। गन्ना किसानों से भी बातचीत की। गन्ना अनुसंधान द्वारा विकसित कोलख 941814 का भी अवलोकन किया। चीनी मिल अधिकारियों से गन्ना प्रजाति के विषय में जानकारी की। चीनी मिल की अच्छी रिकवरी व अन्य बेहतर आधुनिक संसाधन देखकर काफी प्रशंसा की।

प्रतिनिधिमंडल ने खुश होकर श्रीलंका में चीनी उद्योग लगाने के लिए आमंत्रण दिया। इस दौरान चीनी मिल के वरिष्ठ अधिकारी आरसी सिंघल, डॉ. अनूप सिंह, डॉ. रामवीर सिंह, आरसी नौसरिया, विमल मिश्र, एसडीएम मृत्युंजय राम, सीओ जेपी सिंह आदि भी उपस्थित थे।